

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार



रजि.न.34300/80 संख्या 286 श्री विजय पुरम, सोमवार, 26 अक्टूबर 2026 web: dt.andamannicobar.gov.in 2.00 रूपए

अण्डमान लोक निर्माण विभाग के 69वें स्थापना दिवस समारोह को माननीय उप राज्यपाल ने किया संबोधित

"जल बचाएँ, जीवन बचाएँ" के संदेश के साथ संतुलित और जन–केंद्रित विकास पर बल

समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी परियोजना क्रियान्वयन के निर्देश

श्री विजय पुरम, 25 अक्टूबर। अण्डमान लोक निर्माण विभाग (एपीडब्ल्यूडी) के 69वें स्थापना दिवस के अवसर पर श्री विजय पुरम में आयोजित कार्यक्रम में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा ने सहभागिता की और विभाग के सभी अधिकारियों, अभियंताओं एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में माननीय सांसद श्री विष्णु पद राय, आयुक्त–सह–सचिव (एपीडब्ल्यूडी) श्री सचिन शिंदे, उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान ज़िला, पुलिस अधीक्षक, मुख्य अभियंता एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

माननीय उप राज्यपाल ने कहा कि इस वर्ष की थीम "जल बचाएँ, जीवन बचाएँ" यह संदेश देती है कि विकास का उद्देश्य केवल आधारभूत संरचना का निर्माण नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन को सुरक्षित, सुगम एवं बेहतर बनाना है। उन्होंने दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद सड़क संपर्क में सुधार, जल स्रोतों के विकास, जलापूर्ति क्षमता में वृद्धि तथा आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण में विभाग द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों की प्रशंसा की।

माननीय उप राज्यपाल ने बताया कि डिगलीपुर में गांधी नगर से पश्चिम सागर तक लगभग 10 किलोमीटर ग्रामीण सड़क का निर्माण तथा विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 20 किलोमीटर सड़कों के सुधार का कार्य पूर्ण किया गया है। जल उपलब्धता के क्षेत्र में रटलैंड फेज–I, जोड़ा नाला वीयर, ट्रिपल पॉन्ड, टीआरएस क्वारी क्षेत्र के तालाब एवं बोरवेलों के माध्यम से लगभग 10.832 एमएलडी अतिरिक्त जल उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किए गए हैं।









आगामी वर्ष की प्राथमिकताएँ एवं निर्देश

माननीय उप राज्यपाल ने गुप्तापाड़ा नाला, बर्मानाला एवं रटलैंड फेज–II जैसी प्रमुख जल परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर बल दिया। उन्होंने गुप्तापाड़ा बांध की डीपीआर तैयार करने, रटलैंड फेज–II परियोजना से अतिरिक्त 6 एमएलडी पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा वर्षा जल संचयन एवं भंडारण पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही सड़क निर्माण में नई तकनीक के उपयोग के साथ नियमानुसार, गुणवत्ता और पारदर्शिता के मानकों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया।

श्री विजय पुरम, फरारगंज, रंगत एवं मायाबंदर सहित विभिन्न क्षेत्रों हेतु जल स्रोतों के पुनरुद्धार, तालाब निर्माण, बोरवेल, फिल्टर बेड, जल भंडारण संरचनाओं एवं पाइपलाइन नेटवर्क सुधार के कार्यों की नियमित निगरानी करने के भी निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि दीर्घकालीन जल सुरक्षा, बेहतर सड़क एवं पुल संपर्क, समयबद्ध क्रियान्वयन, गुणवत्ता, पारदर्शिता, जवाबदेही तथा पर्यावरण के साथ संतुलित विकास विभाग की प्रमुख प्राथमिकताएँ रहेंगी।

अभियंताओं एवं कर्मचारियों से संबंधित निर्देश

माननीय उप राज्यपाल ने एपीडब्ल्यूडी अभियंताओं की समयबद्ध पदोन्नति सुनिश्चित करने, अनावश्यक लंबित अनुशासनिक कार्यवाहियों का निपटारा करने तथा रिक्त पदों को प्रतिनियुक्ति से भरने के निर्देश दिए।

अंत में, माननीय उप राज्यपाल ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की कि वे प्रत्येक परियोजना को जनहित की कसौटी पर खरा उतरने योग्य बनाएँ। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एपीडब्ल्यूडी अपनी तकनीकी क्षमता, अनुभव एवं समर्पण के बल पर अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के समग्र विकास में और अधिक सार्थक योगदान देगा।

द्वीप नारियल महोत्सव–2026 का भव्य समापन







श्री विजय पुरम, 25 अक्टूबर। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय द्वारा संबंधित विभागों के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय तृतीय द्वीप नारियल महोत्सव–2026 का आज प्रदर्शनी मैदान में समापन हुआ। महोत्सव की विषयवस्तु 'नारियल का उत्सव–द्वीपों की संस्कृति, खानपान एवं हस्तशिल्प' थी। सुबह से लगातार हो रही बारिश के बावजूद विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने बड़ी संख्या में पहुँचकर सुहावने, ठंडे और मंद हवा वाले मौसम का आनंद लिया तथा उत्सव में भाग लिया।

महोत्सव में नारियल आधारित पर्यटन, मूल्य संवर्धन तथा सतत आजीविका की संभावनाओं को प्रदर्शित किया गया। इसके अंतर्गत नारियल से संबंधित विभिन्न उत्पादों के सजीव प्रदर्शन, हस्तशिल्प प्रदर्शनियों तथा नारियल से बने स्वादिष्ट व्यंजनों के चखने के लिए विशेष क्षेत्र बनाए गए थे। पर्यटकों और स्थानीय निवासियों ने पारंपरिक हस्तशिल्प, नारियल के रेशे से बने उत्पादों, स्वास्थ्य एवं आरोग्य संबंधी वस्तुओं तथा खाद्य प्रसंस्करण और अन्य सतत उद्यमों में नारियल के अभिनव उपयोगों का अवलोकन किया।

महोत्सव के उद्घाटन दिवस पर शुरू की गई पहल को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा विभाग के सहयोग से बच्चों के लिए नारियल विषय पर मनोरंजक चित्रकला गतिविधि आयोजित की गई। इसमें 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नारियल से प्रेरित रंग–बिरंगे चित्रों के माध्यम से अपनी कल्पनाशीलता एवं कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस गतिविधि ने युवा प्रतिभागियों को महोत्सव की विषयवस्तु से जुड़ने के लिए एक रचनात्मक मंच प्रदान किया।

विद्यार्थियों, शिल्पकारों, स्थानीय उद्यमियों तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने अपनी कुशलता, उत्पादों और नवाचारी विचारों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनों में सतत कृषि पद्धतियों तथा उद्यमिता की संभावनाओं को भी उजागर किया गया। इसके माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने

शेष पृष्ठ 4 पर

आज से मनेगा सतर्कता जागरूकता सप्ताह

श्री विजय पुरम, 25 अक्टूबर। ज़मीनी स्तर पर प्रभावी शासन व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा उत्तरदायी एवं जनहितैषी प्रशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सतर्कता विभाग व भ्रष्टाचार निवारण इकाई द्वारा 26 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2026 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2026 मनाया जाएगा। सुशासन का तात्पर्य अच्छे निर्णय लेने तथा उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने की प्रक्रिया से है। सुशासन की प्रमुख विशेषताओं में पारदर्शिता, जवाबदेही, कानून के शासन का पालन, समावेशिता, प्रभावशीलता और कार्यकुशलता शामिल हैं। सुशासन और निवारक सतर्कता की विशेषताएँ एक–दूसरे से मेल खाती हैं। इसी दृष्टिकोण के अंतर्गत "समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा" विषय पर बल दिया गया है।

"समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा" की अवधारणा को अपनाने से न केवल सतर्कता संबंधी कार्यों से जुड़ी नकारात्मक धारणाओं को दूर करने में सहायता मिलेगी, बल्कि प्रशासन के समग्र कामकाज़ में सकारात्मकता भी आएगी और भ्रष्टाचार–मुक्त समाज के निर्माण में योगदान मिलेगा।

प्राप्त विज्ञप्ति में इस संबंध में आम जनता से अनुरोध किया गया है कि किसी भी लोक सेवक के विरुद्ध भ्रष्टाचार से संबंधित विश्वसनीय जानकारी सतर्कता विभाग के पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक अथवा भ्रष्टाचार निवारण इकाई के थाना प्रभारी तक पुलिस अधीक्षक (भ्रष्टाचार निवारण इकाई): 9899712807, थाना प्रभारी (भ्रष्टाचार निवारण इकाई): 9474232161, दूरभाष: 03192–244698, समर्पित व्हाट्सऐप नंबर: 9531822221, आधिकारिक ई–मेल spac.and@nic.in / dyspac.and@nic.in के माध्यमों से पहुँचाएँ।

बंगाल की खाड़ी में मौसम प्रणाली के मद्देनज़र सतर्क रहने की सलाह

श्री विजय पुरम, 25 अक्टूबर। बंगाल की खाड़ी में वर्तमान मौसम प्रणाली को देखते हुए अण्डमान–निकोबार प्रशासन के आपदा प्रबंधन निदेशालय ने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा आज जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार आम जनता को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियाँ बरतने की सलाह दी है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, 25 अक्टूबर, 2026 को भारतीय मानक समय के अनुसार सुबह 8.30 बजे पूर्व–मध्य बंगाल की खाड़ी तथा उससे सटे दक्षिण–पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित एक निम्न दबाव प्रणाली गहरे अवदाब में परिवर्तित हो गई है। यह श्री विजय पुरम (अण्डमान द्वीपसमूह) से लगभग 440 किलोमीटर उत्तर–उत्तर–पश्चिम में स्थित है। इसके 26 अक्टूबर को चक्रवाती तूफान, 27 अक्टूबर को भीषण चक्रवाती तूफान तथा 28 अक्टूबर तक अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। इसके आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ने का अनुमान है।

अण्डमान द्वीपसमूह के तटों के पास तथा समुद्र में समुद्री स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है, जिसके बाद धीरे–धीरे सुधार होने का अनुमान है।

मछुआरों को 26 अक्टूबर तक पूर्व–मध्य बंगाल की खाड़ी तथा उससे सटे दक्षिण–पूर्वी बंगाल की खाड़ी और अण्डमान द्वीपसमूह के तटों के पास समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। आम जनता को गरज–चमक और बिजली गिरने के दौरान घरों के अंदर रहने तथा पेड़ों या बिजली के खंभों के पास आश्रय न लेने की सलाह दी गई है। आधिकारिक परामर्श और मौजूदा मौसम की स्थिति के अनुसार पर्यटन, मनोरंजन संबंधी गतिविधियों तथा तटवर्ती एवं समुद्र में संचालित गतिविधियों से बचने का भी अनुरोध किया गया है।

प्राप्त विज्ञप्ति में सभी निवासियों, विशेषकर निचले और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने तथा जनसुरक्षा सुनिश्चित करने में प्रशासन को सहयोग देने की अपील की गई है। मौसम संबंधी नवीनतम जानकारी के लिए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और अण्डमान–निकोबार प्रशासन के आपदा प्रबंधन निदेशालय द्वारा जारी आधिकारिक परामर्शों का पालन करने की सलाह दी गई है।

द्वीप नारियल महोत्सव–2026

पृष्ठ 1 का शेष





और द्वीपसमूह में आजीविका के अवसर सृजित करने में नारियल आधारित उद्यमों की भूमिका को रेखांकित किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार समापन दिवस पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उत्सव की रौनक बढ़ा दी। नाट्यांजलि शास्त्रीय नृत्य अकादमी और बालकृष्ण नृत्य अकादमी के कलाकारों ने विभिन्न राज्यों के लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ देकर भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को प्रदर्शित किया। वहीं, नाच अकाडमी ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स के कलाकारों ने जीवंत संगीत एवं कराओके कार्यक्रम के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन किया।

मायाबंदर में विद्यालय सुरक्षा एवं संरक्षा पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम संचालित

मायाबंदर, 25 अक्टूबर।

खंड परियोजना कार्यालय (समग्र शिक्षा), मायाबंदर, उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला द्वारा 23 अक्टूबर को ज़िला परिषद, मायाबंदर के सम्मेलन कक्ष में विद्यालय सुरक्षा एवं संरक्षा विषय पर एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन में ज़िला परिषद, मायाबंदर ने आवश्यक व्यवस्थागत सहयोग प्रदान किया तथा खंड परियोजना कार्यालय के कर्मचारियों ने भी सहयोग दिया। विभिन्न विभागों के संसाधन व्यक्तियों ने अलग–अलग सत्रों के माध्यम से निवारक उपायों, आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारी, बाल संरक्षण तथा सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के उपायों पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में मायाबंदर शैक्षिक अंचल के विद्यालयों में सुरक्षित, संरक्षित एवं बाल–अनुकूल शिक्षण वातावरण तैयार करने में शिक्षकों और विद्यालय प्राधिकारियों की सामूहिक ज़िम्मेदारी पर विशेष बल दिया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस कार्यक्रम में मायाबंदर शैक्षिक अंचल के विभिन्न विद्यालयों के कुल 58 शिक्षकों ने भाग लिया। अभिमुखीकरण कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को विद्यालय में सुरक्षित एवं संरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण की रक्षा करने के प्रति जागरूक एवं तैयार करना था।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

कैंपबेल बे, 25 अक्टूबर।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) में समावेशिता, आत्मविश्वास और खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खंड परियोजना कार्यालय, कैंपबेल बे द्वारा 22 एवं 23 अक्टूबर को दो दिवसीय समावेशी खेलकूद प्रतियोगिता 2026–27 का आयोजन किया गया।



प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उद्घाटन समारोह में ग्रेट निकोबार एवं लिटिल निकोबार की जनजातीय परिषद के अध्यक्ष श्री बरनबास मंजू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कैंपबेल बे पंचायत की प्रधान श्रीमती रामेश्वरी सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुईं। राजकीय प्राथमिक विद्यालय (जीपीएस), कैंपबेल बे, पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (जीएसएसएस), कैंपबेल बे तथा अन्य सहभागी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट और विभिन्न खेलकूद गतिविधियों में भाग लिया। समापन समारोह में कैंपबेल बे के गोविंद नगर के प्रधान श्री जी. वेंकट राव उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन सांकेतिक भाषा में प्रस्तुत राष्ट्रगान के साथ हुआ।

होमस्टे संचालकों के लिए छह दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम 9 नवंबर से

श्री विजय पुरम, 25 अक्टूबर।

पर्यटन विभाग द्वारा होटल प्रबंधन, खानपान प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान (आईएचएम), मुंबई के सहयोग से आरएएमपी योजना के अंतर्गत होमस्टे संचालकों के लिए छह दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 9 से 14 नवंबर, 2026 तक आपदा प्रबंधन निदेशालय के प्रशिक्षण कक्ष में आयोजित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य वर्तमान होमस्टे संचालकों, होमस्टे संचालन शुरू करने के इच्छुक व्यक्तियों तथा उनके कर्मचारियों को होमस्टे संचालन, कक्ष प्रभाग एवं गृह व्यवस्था के मानकों, अतिथि प्रबंधन तथा टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल पर्यटन पद्धतियों से संबंधित आवश्यक कौशल प्रदान करना है।

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति में सभी पंजीकृत एवं इच्छुक होमस्टे संचालकों तथा उनके कर्मचारियों से इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी सेवा संबंधी दक्षताओं एवं मानकों को बेहतर बनाने का आग्रह किया गया है। इच्छुक व्यक्ति यथाशीघ्र https://forms.gle/yENFrNFQNDfJgfRp8 लिंक के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति पर्यटन विभाग के योजना अनुभाग से ई–मेल tourismplanning2013@gmail.com के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

आरएएमपी योजना के अंतर्गत फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी में आठ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 22 अक्टूबर।

पर्यटन विभाग द्वारा भारतीय फोटोग्राफी संस्थान (आईआईपी), नोएडा के सहयोग से आरएएमपी योजना के अंतर्गत आठ दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस पाठ्यक्रम में फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, ड्रोन इमेजिंग, कैमरा संचालन तथा पोस्ट–प्रोडक्शन के साथ–साथ अंडरवाटर फोटोग्राफी और एस्ट्रो–फोटोग्राफी पर विशेष सत्र भी शामिल होंगे।



विभिन्न द्वीपों में प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण निम्नानुसार है:

- ⇨ श्री विजय पुरम: 26 अक्टूबर, 2026 से आपदा प्रबंधन निदेशालय के प्रशिक्षण सभागार में।
- ⇨ स्वराज द्वीप: 3 नवंबर, 2026 से श्याम नगर पंचायत के सामुदायिक भवन में।
- ⇨ शहीद द्वीप: 12 नवंबर, 2026 से नील केंद्र के मुरुगन मंदिर स्थित सामुदायिक भवन में।

रंगत, मायाबंदर, डिगलीपुर, लॉन्ग आइलैंड और कैंपबेल बे के वे इच्छुक आवेदक, जिन्होंने पहले ही आवेदन कर दिया है, उन्हें 26 अक्टूबर, 2026 से श्री विजय पुरम में शुरू होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति में संबंधित सभी आवेदकों को जल्द से जल्द ई–मेल tourismplanning2013@gmail.com के माध्यम से पर्यटन विभाग के योजना अनुभाग से संपर्क कर अपनी सहभागिता की पुष्टि करने की सलाह दी गई है।

द्वीपों के लिए मौसम पूर्वानुमान

श्री विजय पुरम, 25 अक्टूबर।

अण्डमान–निकोबार द्वीपसमूह में 26 अक्टूबर, 2026 को एक–दो स्थानों पर भारी वर्षा (7 से 11 सेंटीमीटर) होने की बहुत अधिक संभावना है। द्वीपसमूह में एक–दो स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज झोंकेदार हवाओं तथा बिजली चमकने के साथ गरज के साथ तूफान आने की भी बहुत अधिक संभावना है।

आपदा प्रबंधन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार 27 और 28 अक्टूबर, 2026 को अण्डमान–निकोबार द्वीपसमूह में एक–दो स्थानों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज झोंकेदार हवाओं तथा बिजली चमकने के साथ गरज के साथ तूफान आने की बहुत अधिक संभावना है।

अण्डमान–निकोबार के तटों के पास तथा समुद्र में 26 अक्टूबर, 2026 को 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएँ चलने की संभावना है, जिनके कभी–कभी 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुँचने की आशंका है। मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे 26 अक्टूबर, 2026 को अण्डमान–निकोबार के तटों के पास तथा समुद्र में नहीं जाएँ।

नशामुक्त भारत के लिए बाइक रैली: अण्डमान–निकोबार पुलिस का संदेश द्वीपों से गुजरात तक









श्री विजय पुरम, 25 अक्टूबर।

राष्ट्रीय एकता की भावना और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली–2026 में भाग ले रहा अण्डमान–निकोबार पुलिस का दल विभिन्न राज्यों में नशामुक्त भारत का संदेश प्रसारित कर रहा है। महाराष्ट्र से गुजरात की ओर बढ़ते हुए यह दल "नशे के विरुद्ध लड़ाई" विषय के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रमों और जनसंपर्क गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों, पुलिस प्रशिक्षुओं, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों तथा स्थानीय निवासियों को जागरूक कर रहा है। यह अभियान राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है।

इस रैली को 10 अक्टूबर, 2026 को अण्डमान–निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा ने श्री विजय पुरम स्थित ऐतिहासिक सेल्यूलर जेल से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। अण्डमान–निकोबार पुलिस का दल 14 अक्टूबर को चेन्नई में रैली में शामिल हुआ और नेल्लोर, ओंगोल, हैदराबाद, हुमनाबाद, सोलापुर तथा दौंड से होते हुए पुणे पहुँचा। इस दल में 12 पुलिसकर्मी शामिल हैं, जिनमें पाँच मोटरसाइकिलों पर सवार 10 चालक, एक दल प्रमुख तथा एक तकनीकी कर्मचारी शामिल हैं।

महाराष्ट्र में यात्रा के दौरान दल ने दौंड स्थित पुलिस स्मारक पर कर्तव्य पालन करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश देने के लिए नगर में परेड अभियान चलाए। पुणे में दल ने आकुर्डी स्थित डॉ. डी. वाई. पाटिल एजुकेशनल कॉम्प्लेक्स के विद्यार्थियों तथा तालेगाँव स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और खंडाला स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षुओं के साथ संवाद किया। इसके बाद दल मुंबई पहुँचा, जहाँ उसने जागरूकता संबंधी गतिविधियाँ संचालित कीं और महाराष्ट्र राज्य रिजर्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) की ओर से उसका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

25 अक्टूबर, 2026 को रैली गुजरात की ओर आगे बढ़ी। वहाँ दल ने खरेल स्थित अनिल नाइक तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र के विद्यार्थियों के साथ संवाद किया तथा पलसाना स्थित संस्कार परिसर और बालेश्वर कॉलेज में विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेटों एवं स्थानीय निवासियों को जागरूक किया। इन संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सामूहिक ज़िम्मेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

यहाँ प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रैली का समापन 31 अक्टूबर, 2026 को गुजरात के एकता नगर में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के अंतर्गत आयोजित भव्य परेड प्रदर्शन के साथ होगा।

इस राष्ट्रव्यापी पहल के माध्यम से अण्डमान–निकोबार पुलिस नशे के विरुद्ध लड़ाई में जनभागीदारी को प्रोत्साहित कर रही है तथा इस संदेश को सुदृढ़ कर रही है–"नशे को कहें ना, जीवन को चुनें और नशामुक्त भारत का निर्माण करें।"

त्योहारों के मद्देनज़र अतिरिक्त जलयान सेवाओं की व्यवस्था

श्री विजय पुरम, 25 अक्टूबर।

त्योहारों के वर्तमान मौसम को देखते हुए, जहाज़रानी सेवा निदेशालय ने यात्रियों की बढ़ती आवाजाही की मांग को पूरा करने के लिए श्री विजय पुरम और मायाबंदर, डिगलीपुर तथा लिटिल अण्डमान के बीच अतिरिक्त जलयान सेवाओं की व्यवस्था की है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार एमवी रानी चंगा कल 26 अक्टूबर को सुबह 6.30 बजे श्री विजय पुरम से लिटिल अण्डमान के लिए प्रस्थान करेगा और कल ही दोपहर 1 बजे लिटिल अण्डमान से श्री विजय पुरम लौटेगा।

एमवी नॉर्थ पैसेज 27 अक्टूबर को सुबह 6.30 बजे श्री विजय पुरम से मायाबंदर के लिए रवाना होगा और उसी दिन दोपहर 1 बजे मायाबंदर से श्री विजय पुरम लौटेगा।

एमवी नॉर्थ पैसेज 29 अक्टूबर, 2026 को श्री विजय पुरम से डिगलीपुर के लिए प्रस्थान करेगा और उसी दिन रात्रि 9 बजे डिगलीपुर से श्री विजय पुरम लौटेगा।

29 अक्टूबर, 2026 को निर्धारित जलयान यात्रा के लिए टिकटों की बुकिंग कल 26 अक्टूबर, 2026 को सुबह 9 बजे से जहाज़रानी सेवा निदेशालय निदेशालय के ई–टिकटिंग पोर्टल https://dss.andamannicobar.gov.in/eticketing के माध्यम से ऑनलाइन की जा सकती है। यात्रियों की सुविधा के लिए पोर्टल से सीधे जुड़ने वाला क्यूआर कोड भी उपलब्ध कराया गया है।

अण्डमान–निकोबार महिला राज्य शतरंज प्रतियोगिता में आरोही टी. प्रथम

श्री विजय पुरम, 25 अक्टूबर।

अण्डमान–निकोबार शतरंज संघ (एएनसीए) द्वारा 25 अक्टूबर, 2026 को टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय, श्री विजय पुरम में अण्डमान–निकोबार महिला राज्य शतरंज प्रतियोगिता–सह–राष्ट्रीय चयन परीक्षण 2026 का आयोजन किया गया।



प्रतियोगिता का शुभारंभ समारोह टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मंजुलता राव की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति में हुआ। उन्होंने शतरंज की बिसात पर औपचारिक रूप से पहली चाल चलकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस प्रतियोगिता में द्वीपसमूह के विभिन्न आयु वर्गों की प्रतिभाशाली महिलाओं और बालिकाओं ने भाग लिया। इस आयोजन ने उन्हें अपनी शतरंज प्रतिभा, रणनीतिक सोच और प्रतिस्पर्धात्मक भावना प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया। प्रतियोगिता में सात वर्ष से कम, नौ वर्ष से कम, 11 वर्ष से कम, 13 वर्ष से कम, 15 वर्ष से कम और 19 वर्ष से कम आयु वर्गों के साथ–साथ समग्र खुली श्रेणी भी शामिल थी। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सात चक्रों के बाद घोषित अंतिम परिणामों के अनुसार, आरोही टी. ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एएफएम बी. राजेशप्रिया कृष्णप्रिया दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि आराध्या राय ने तीसरा स्थान हासिल किया। भविष्या एस. और एएफएम के. माही ने भी सराहनीय प्रदर्शन करते हुए क्रमशः चौथा और पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया।

लिटिल अण्डमान में सर्फिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 25 अक्टूबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का पर्यटन निदेशालय, सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के सहयोग से लिटिल अण्डमान में सर्फिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य द्वीप में योग्य स्थानीय सर्फिंग प्रशिक्षकों का समूह तैयार करना है। इस कार्यक्रम में दो महीने का सर्फिंग प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद आईएसए सर्फ प्रशिक्षक स्तर–1 पाठ्यक्रम तथा आईएसए/आईएलएस जलीय बचाव पाठ्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। सफल अभ्यर्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएँगे। इस कार्यक्रम के लिए छह अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा और उन्हें प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। इन छह चयनित अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण एवं प्रमाणन का संपूर्ण खर्च पर्यटन निदेशालय वहन करेगा। इसके अतिरिक्त, अन्य योग्य अभ्यर्थियों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा, लेकिन उन्हें प्रमाणन शुल्क स्वयं वहन करना होगा। चयन प्रक्रिया 1 नवंबर को लिटिल अण्डमान में आयोजित की जाएगी। इसमें पाँच मिनट से कम समय में 200 मीटर तैरने की परीक्षा, सर्फिंग के लिए शारीरिक क्षमता परीक्षण, सर्फिंग कौशल का आकलन तथा व्यक्तिगत साक्षात्कार शामिल होंगे। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार 18 वर्ष से अधिक आयु के इच्छुक द्वीपवासी नीचे दिए गए गूगल फॉर्म के माध्यम से आवेदन करें तथा अपना द्वीपवासी पहचान–पत्र, आधार कार्ड और चिकित्सा स्वास्थ्य प्रमाणपत्र अपलोड करें।

आवेदन करने की अंतिम तिथि 28 अक्टूबर, 2026 है।

आवेदन के लिए लिंक https://forms.gle/GQWtvcGPhvesZtGt5 चयन के लिए प्रारंभिक रूप से सूचीबद्ध अभ्यर्थियों को चयन स्थल तथा रिपोर्ट करने के समय की जानकारी फोन अथवा ईमेल के माध्यम से दी जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए पर्यटन निदेशालय के योजना अनुभाग से संपर्क किया जा सकता है।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

अगले दो महीनों में गगनयान मिशन का पहला मानवरहित परीक्षण करने की योजना–इसरो प्रमुख

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा कि भारत वर्ष 2029 तक अपनी अंतरिक्ष गतिविधियों का बड़े स्तर पर विस्तार करेगा। इसके तहत देश में चार सक्रिय लॉन्च पैड उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि बढ़ती घरेलू और वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों के साथ साझेदारी भी बढ़ाई जाएगी। नारायणन ने शनिवार को चेन्नई के एक निजी विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह के दौरान इसरो की भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एजेंसी का लक्ष्य हजारों उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने की बढ़ती जरूरत को पूरा करना है।

इसरो प्रमुख ने बताया कि तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले के कुलसेकरपट्टिनम में छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के लिए 2000 एकड़ में एक विशेष परिसर विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर उपग्रह प्रक्षेपण की बढ़ती मांग को पूरा करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसरो का निजीकरण नहीं किया जाएगा। हालांकि, अंतरिक्ष क्षेत्र में तेजी से बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए निजी कंपनियों के साथ सहयोग जरूरी है।

नारायणन ने कहा, "इस बढ़ते तंत्र को संभालने के लिए इसरो स्टार्टअप और निजी कंपनियों को सहयोग देगा। उन्हें तकनीकी विशेषज्ञता उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि आर्थिक विकास को बढ़ावा मिले और उच्च तकनीक वाले हजारों रोजगार पैदा हों।" उन्होंने कहा कि 2029 तक चार सक्रिय लॉन्च पैड के साथ भारत अपनी अंतरिक्ष गतिविधियों का विस्तार करेगा। वाणिज्यिक अभियानों को संभालने के लिए निजी उद्योगों के साथ साझेदारी पर भी अधिक निर्भरता होगी।



नारायणन के अनुसार, कुलसेकरपट्टिनम में बनने वाले अंतरिक्ष केंद्र में रॉकेट और उपग्रहों को एकीकृत करने वाली इमारतें, लॉन्च पैड, रेल ट्रैक प्रणाली और टेलीमेट्री, ट्रैकिंग तथा कमांड से जुड़ी सुविधाएं होंगी। हालांकि, उन्होंने प्रस्तावित चार लॉन्च पैड में से बाकी तीन के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

इसरो प्रमुख ने कहा कि एजेंसी अगले दो महीनों में गगनयान मिशन का पहला मानवरहित परीक्षण करने की योजना बना रही है। इसके बाद मानवयुक्त मिशन से पहले दो और मानवरहित परीक्षण किए जाएंगे। उन्होंने कहा, "इन परीक्षणों के दौरान अलग–अलग दबाव, तापमान और आर्द्रता की परिस्थितियों में पर्यावरण नियंत्रण, सुरक्षा प्रणालियों, चालक दल के बचाव तंत्र और मॉड्यूल के अंदरूनी हिस्सों का आकलन किया जाएगा।" नारायणन ने बताया कि गगनयान मिशन के लिए इसरो लगभग 8000 जमीनी प्रयोग सफलतापूर्वक कर चुका है। वहीं, चार नामित अंतरिक्ष यात्री फिलहाल विशेष प्रशिक्षण ले रहे हैं।

26 और 27 अक्टूबर को 12वें ब्रिक्स संसदीय फोरम की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर।

भारत 26 और 27 अक्टूबर को 12वें ब्रिक्स संसदीय फोरम की मेजबानी करने जा रहा है। भारतीय संसद नई दिल्ली के संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में सोमवार और मंगलवार फोरम की अध्यक्षता करेगी। रूसी संघ की संसद (स्टेट ड्यूमा) के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोदिन 12वें ब्रिक्स संसदीय फोरम में भाग लेने के लिए नई दिल्ली पहुंच गए हैं। भारत की अध्यक्षता में 26 और 27 अक्टूबर को आयोजित होने वाले इस मंच में ब्रिक्स के सदस्य देशों और साझेदार देशों के संसदीय नेता शामिल होंगे। यहां लोगों के हितों पर आधारित विकास और संसदीय सहयोग को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

इस सप्ताह की शुरुआत में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने घोषणा की थी कि 12वां ब्रिक्स संसदीय मंच 26 और 27 अक्टूबर को संविधान सदन में आयोजित किया जाएगा। संसद भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ओम बिड़ला ने कहा कि यह मंच भारत की संसदीय कूटनीति के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने जा रहा है। इसमें ब्रिक्स के सदस्य देशों और साझेदार देशों की संसदों के अध्यक्ष, संसदीय नेता, केंद्रीय मंत्री, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के अध्यक्ष, सांसद और अन्य गणमान्य लोग शामिल होंगे।

लोकसभा अध्यक्ष ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधिमंडलों के नेताओं से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि मंच के दौरान आने वाले प्रतिनिधिमंडलों के नेताओं और संसदीय मैत्री समूहों के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकें भी होंगी।

रूस के तातारस्तान में खुलेगा आयुर्वेदिक केंद्र, भारत–रूस सहयोग को मिलेगी मजबूती

कजान, 25 अक्टूबर (हि.स.)।

पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद को रूस में बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम पहल की गई है। रूस के तातारस्तान में पहला आयुर्वेदिक केंद्र स्थापित होने जा रहा है। इस केंद्र का निर्माण कार्य 2028 तक पूरा होने की संभावना है। दूसरे कजान भारत–रूस बिजनेस फोरम में रूस के तातारस्तान प्रांत के जेलेनोडोल्स्क जिले में आयुर्वेदिक केंद्र स्थापित करने के लिए आधिकारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस परियोजना में भारतीय स्वास्थ्य एवं वेलनेस ब्रांड भी सहायता करेंगे। इसका उद्देश्य क्षेत्र में भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की मांग का आकलन करना और आयुर्वेदिक सेवाओं के विस्तार की संभावनाएं तलाशना है और इसके साथ आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति का लाभ पहुंचाना है।

तातारस्तान इन्वेस्टमेंट डेवलपमेंट एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी तालिया मिनुल्लिना ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि आयुर्वेद का प्रचलन बढ़ रहा है। इसके मद्देनजर टाइम बिजनेस फोरम में एक आयुर्वेद सेंटर खोलने पर सहमति बनी है। इसके माध्यम से यह समझने की कोशिश की जाएगी कि रूस के इस क्षेत्र में आयुर्वेदिक उपचार और पारंपरिक भारतीय चिकित्सा सेवाओं को कितनी स्वीकार्यता मिलती है। उन्होंने कहा कि इस पहल को भारत और रूस के बीच अस्थायी रोजगार से जुड़े नए द्विपक्षीय ढांचे से भी समर्थन मिलने की उम्मीद है। इससे निर्धारित पात्रता और प्रशिक्षण पूरा करने वाले भारतीय विशेषज्ञों, जैसे प्रमाणित आयुर्वेद चिकित्सकों और थेरेपिस्ट, के लिए रूस में काम करने के अवसर आसान हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि तातारस्तान में भारतीय छात्रों की मौजूदगी भी भारत और रूस के बीच चिकित्सा क्षेत्र में सहयोग का महत्वपूर्ण आधार है। इसमें करीब एक हजार से अधिक भारतीय छात्र मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं। ऐसे में नया आयुर्वेदिक केंद्र दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा शिक्षा और पारंपरिक उपचार पद्धतियों के आदान–प्रदान को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

रूस के कजान शहर में भारतीय छात्र प्रतिवर्ष चिकित्सा क्षेत्र में एडमीशन ले रहे हैं। यहां फीस कम होने की वजह से हर साल सैंकड़ों भारतीय यहां पढ़ने के लिए आते हैं। लखनऊ के रहने वाले और अब रूस के नागरिक डॉ. अशुतोष द्विवेदी उत्तर भारत के छात्रों का प्रवेश करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रोलोंग एज्युकेशन कंसल्टेंट्स के निदेशक द्विवेदी कहते हैं कि हर साल यहां 170 से 150 बच्चे प्रवेश लेते हैं। वे बताते हैं कि कजान में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए पहले फीस 4.16 लाख रूबल (लगभग 4.92 लाख रुपये) प्रति वर्ष फीस थी जो अब बढ़कर 6.37 लाख रूबल (लगभग 7.53 लाख रुपये) हो गई है, लेकिन भारत के निजी कॉलेजों से अब भी बेहद कम है। पांच साल में 40 लाख से भी कम रुपयों में यहा एमबीबीएस हो जाती है।

पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम, रिटायरमेंट के बाद हर महीने 20 हजार की कमाई, ये है शानदार स्कीम

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर।

नौकरी से रिटायर होने के बाद हर महीने रेगुलर इनकम आना बहुत जरूरी है। बुढ़ापे में पैसों के लिए किसी पर निर्भर न रहना पड़े, इसके लिए सही जगह निवेश करना चाहिए। ऐसे में पोस्ट ऑफिस की सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम बुजुर्गों के लिए एक शानदार विकल्प है।

इस सरकारी स्कीम में आप अधिकतम 30 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। इस पर आपको साल का 2.46 लाख रुपये तक ब्याज मिलता है। इसका मतलब है कि आपकी हर महीने की औसत कमाई 20,500 रुपये होगी। हालांकि, यह ब्याज का पैसा हर महीने नहीं, बल्कि हर तीन महीने में आपके खाते में आता है।

पोस्ट ऑफिस ने सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम को खास तौर पर रिटायरमेंट के बाद रेगुलर इनकम देने के लिए बनाया है। फिलहाल इस स्कीम में निवेश करने वालों को सालाना 8.2 प्रतिशत का ब्याज मिल रहा है। आप जिस समय खाता खोलते हैं, उसी समय के ब्याज दर के हिसाब से आपका रिटर्न तय हो जाता है। यह पूरी तरह से केंद्र सरकार की स्कीम है, इसलिए इसमें शेयर बाजार के उतार–चढ़ाव का कोई रिस्क नहीं होता। आपके निवेश पर पूरी सुरक्षा और गारंटी मिलती है।

आमतौर पर 60 साल या उससे ज्यादा उम्र के सीनियर सिटीजन इस स्कीम में निवेश कर सकते हैं। लेकिन कुछ खास नियमों के तहत 55 से 60 साल की उम्र में रिटायर होने वाले लोग भी इसमें शामिल हो सकते हैं।

इसके अलावा, रिटायर हुए डिफेंस कर्मचारी 50 साल की उम्र के बाद भी यह खाता खोल सकते हैं। इस स्कीम में आप कम से कम 1,000 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं।



कोई भी व्यक्ति अपने नाम पर इस स्कीम में अधिकतम 30 लाख रुपये तक जमा कर सकता है।

अगर कोई निवेशक इस सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम में पूरी लिमिट यानी 30 लाख रुपये जमा करता है और उसे सालाना 8.2 प्रतिशत का ब्याज मिलता है, तो उसका गणित कुछ ऐसा होगाः

कुल निवेशः 30,00,000 रुपये
सालाना ब्याजः 2,46,000 रुपये
हर तीन महीने में मिलने वाला ब्याजः 61,500 रुपये
हर महीने की औसत कमाईः 20,500 रुपये

इस हिसाब से खाताधारक को हर तीन महीने में एक बार 61,500 रुपये सीधे ब्याज के रूप में मिलते हैं।

इस स्कीम की 5 साल की मैच्योरिटी पूरी होने के बाद, नियमों के मुताबिक आपकी निवेश की गई मूल रकम आपको वापस मिल जाती है। अगर योग्य निवेशक इस स्कीम को आगे भी जारी रखना चाहते हैं, तो वे तय नियमों और शर्तों के साथ अपने खाते को अगले तीन साल के लिए और बढ़ा सकते हैं।

बोधना शिवानंदन 11 साल की उम्र में बनीं इंटरनेशनल चेस मास्टर, तोड़ा 38 साल का पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर।

भारतीय मूल की इंग्लिश शतरंज खिलाड़ी बोधना शिवनंदन 11 साल की उम्र में सबसे कम उम्र की महिला इंटरनेशनल मास्टर बन गई हैं। उन्होंने जूडित पोलगर के 38 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया है. उत्तरी लंदन के हैरो की रहने वालीं शिवनंदन को ओपन IM टाइटल के लिए क्वालीफाई करने और पोलगर का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए बस कुछ और रेटिंग पॉइंट्स की जरूरत थी. इसके साथ ही, वह अब तक के 10 सबसे कम उम्र के IM खिलाड़ियों की सूची में भी शामिल हो गई हैं.

यूरोपियन चेस यूनियन ने ट्वीटर पर लिखा,"यूरोपियन विमेंस चेस क्लब कप 2026 के आखिरी राउंड में जीत हासिल कर इंटरनेशनल मास्टर बनने पर 11 साल की बोधना शिवनंदन को बधाई." उन्होंने आगे कहा, "बोधना ने शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने 'शी प्लेज टू विन लायनेसेस' टीम के लिए बोर्ड 1 पर 5.5/7 का स्कोर बनाया. इस तरह वह इंटरनेशनल मास्टर टाइटल हासिल करने वाली इतिहास की सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी बन गईं."

इस हफ्ते हुए यूरोपियन विमेंस चेस क्लब कप में, बोधना ने रूसी ग्रैंडमास्टर एलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के खिलाफ अपना पहला राउंड ड्रॉ कराया था. इसके बाद तीसरे राउंड में उन्होंने बेलारूस की इंटरनेशनल मास्टर ओल्गा बाडेलका को हराया, जिससे उनकी रेटिंग 2399.4 तक पहुंच गई. इसके अगले राउंड में उन्होंने जॉर्जियाई ग्रैंडमास्टर नीनो बात्सियाश्विली के खिलाफ अपना मैच ड्रॉ खेला.



हालांकि, स्वीडन की वुमन इंटरनेशनल मास्टर विक्टोरिया जोहानसन के खिलाफ 32 चालों में मिली जीत ने उन्हें यह उपलब्धि हासिल करने में मदद की, जिससे वह अब तक के 10 सबसे कम उम्र के IM खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गईं. इस सूची में भारत के आर. प्रज्ञाननंदा और डी. गुकेश, उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव, अर्जेंटीना के फॉस्टिनो ओरो, तुर्की के यागिज़ कान एर्दोगमुस और रूस के रोमन शोगदझिएव भी शामिल हैं.

अपने शुरुआती करियर में, बोधना ने कई रिकॉर्ड बनाए हैं. वह सबसे कम उम्र की 'वूमन इंटरनेशनल मास्टर' और सबसे कम उम्र की 'वूमन FIDE मास्टर' बनीं. इसके अलावा, वह किसी ग्रैंडमास्टर को हराने वाली सबसे कम उम्र की लड़की भी बनीं. बोधना की नजरें अब ग्रैंडमास्टर बनने पर हैं.

अब पहले ही पता चल जाएगा कहां आ रही बाढ़, आईआईटी मद्रास के शोध से बढ़ी उम्मीद

नई दिल्ली/चेन्नई, 25 अक्टूबर (हि.स.)।

कहने को देश की राजधानी दिल्ली सभी संसाधनों से भरपूर है लेकिन जब तेज बारिश होती है तब दिल्ली–एनसीआर के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात पैदा होना जैसे आम बात है। मुंबई में कुछ घंटों की तेज बारिश के बाद सड़कों का दरिया बन जाना, चेन्नई में मूसलधार बारिश के साथ जलाशयों और नदियों का दबाव बढ़ना, बेंगलुरु में शहरी जलभराव से जनजीवन प्रभावित होना, हैदराबाद और कोलकाता में भारी वर्षा के बाद निचले इलाकों में पानी भरना, जैसी देश के तेजी से बढ़ते महानगरों के सामने एक जैसी चुनौती उभर रही है। दूसरी ओर इसी चुनौती के बीच भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के नेतृत्व में हुआ एक अध्ययन (शोध) शहरी बाढ़ के पूर्वानुमान को अधिक सटीक बनाने की दिशा में वैज्ञानिक रास्ता सामने रखता है।

यह शोध आईआईटी मद्रास, जर्मनी के जीएफजेड हेल्महोल्ट्ज सेंटर फॉर जियोसाइंसेज, जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएएक्सए) और काठमांडू विश्वविद्यालय के बीच एक बहुविषयक सहयोग के माध्यम से किया गया, जिसमें वायुमंडलीय विज्ञान, जल विज्ञान, हाइड्रोलिक मॉडलिंग और पृथ्वी अवलोकन में विशेषज्ञता को एक साथ लाया गया।

दरअसल, इस अध्ययन ने वायुमंडल में बनने वाली बारिश से लेकर शहर में पानी पहुंचने और जलाशयों पर पड़ने वाले दबाव तक की पूरी प्रक्रिया को एक साथ समझने का प्रयास किया है। इसमें वायुमंडलीय मॉडलिंग, जल विज्ञान, जल संचयन सिमुलेशन और उपग्रह आधारित पृथ्वी अवलोकन को जोड़ा गया है। शोध का जोर विशेष रूप से शहरी बेसिन स्तर पर अत्यधिक वर्षा का अधिक सटीक पूर्वानुमान तैयार करने पर है। इसके निष्कर्ष नेचुरल हैज़र्ड्स एंड अर्थ सिस्टम साइंसेज में प्रकाशित हुए हैं, जोकि एक पीयर–रिव्यूड, ओपन–एक्सेस अंतरराष्ट्रीय जर्नल है। इस शोध पत्र के सह–लेखक डॉ. एन. निथिला देवी, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास और जीएफजेड हेल्महोल्ट्ज़ सेंटर फॉर जियोसाइंसेज, जर्मनी के अनुभाग 4.4: जल विज्ञान विभाग, डॉ. राकेश तेजा कोंडुरु, पृथ्वी अवलोकन अनुसंधान केंद्र, जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएएक्सए) के डॉ. कुंदन लाल श्रेष्ठ, काठमांडू



विश्वविद्यालय, नेपाल के डॉ. कुंदन लाल श्रेष्ठ और ऑस्कर पॉल, प्रोफेसर सौमेंद्र नाथ कुइरी और प्रोफेसर चंदन सारंगी (संबंधित लेखक) हैं, जो आईआईटी मद्रास से हैं।

इस शोध के महत्व को समझाते हुए, आईआईटी मद्रास के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. चंदन सारंगी, जो इस शोध के सह–लेखक भी हैं, ने कहा, "शहरी बाढ़ पूर्वानुमान को अक्सर मुख्य रूप से वर्षा से अपवाह की समस्या के रूप में देखा जाता है। शहरी बाढ़ पूर्वानुमान में समस्या यह है कि वर्षा का स्थानिक और समयिक वितरण हमारे मौसम मॉडलों द्वारा ठीक से नहीं दर्शाया जाता है। वर्षा से पहले और उसके दौरान वायुमंडल में होने वाली घटनाएं वर्षा के स्थानिक पैटर्न को काफी हद तक प्रभावित कर सकती हैं। एरोसोल–बादल अंतःक्रियाओं को स्पष्ट रूप से दर्शाकर, हम शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा की स्थानिक और कालिक विशेषताओं को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और परिणामस्वरूप बाढ़ के जलमग्न होने के सिमुलेशन में सुधार कर सकते हैं।" वहीं, आईआईटी मद्रास के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एस.एन. कुइरी का कहना है, "चेन्नई जैसे महानगर के लिए, वर्षा पूर्वानुमान को जल संसाधन प्रबंधन से अलग करके नहीं देखा जा सकता। अत्यधिक वर्षा का समय और स्थानिक वितरण सीधे तौर पर अपवाह, जलाशयों में जल प्रवाह और बाढ़ पूर्वानुमान को प्रभावित करते हैं। एक संयुक्त वायुमंडल–जल विज्ञान–जलीय ढांचा इन परस्पर संबंधित निर्णयों के लिए अधिक भौतिक रूप से सूचित आधार प्रदान कर सकता है।"

इतिहास के पन्नों में 26 अक्टूबर : पहले लोकसभा चुनाव से शुरू हुई भारतीय लोकतंत्र की ऐतिहासिक यात्रा

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों में शामिल भारत में चुनाव केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं और अधिकारों की अभिव्यक्ति भी हैं। आजादी के बाद देश के सामने लोकतांत्रिक व्यवस्था को सफल बनाने की बड़ी चुनौती थी। इसी दिशा में 25 अक्टूबर 1951 को भारत के पहले आम चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुई, जो 21 फरवरी 1952 तक चली। पहले लोकसभा चुनाव में 17 करोड़ से अधिक मतदाता मतदान के पात्र थे। देश के अलग–अलग हिस्सों में कई महीनों तक चली चुनाव प्रक्रिया ने भारत की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता को दुनिया के सामने रखा। उस दौर में व्यापक गरीबी, निरक्षरता और सीमित संसाधनों के बावजूद इतनी बड़ी आबादी के लिए चुनाव कराना एक असाधारण प्रशासनिक चुनौती थी।

भारत में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को अपनाते हुए धर्म, जाति, लिंग और आर्थिक स्थिति से परे नागरिकों को मतदान का अधिकार दिया गया। यह उस समय एक महत्वपूर्ण कदम था, जब दुनिया के कई देशों में मताधिकार पर विभिन्न प्रकार की पाबंदियां मौजूद थीं। पहले आम चुनाव ने उन आशंकाओं को गलत साबित किया कि भारत जैसा विविधताओं वाला देश लोकतांत्रिक व्यवस्था को सफलतापूर्वक नहीं चला पाएगा। मतदाताओं की भागीदारी ने यह स्थापित किया कि लोकतंत्र की ताकत केवल संस्थाओं में नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और सहभागिता में भी निहित है।



महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1296 – संत ज्ञानेश्वर ने समाधि ली।
1858 – एच.ई. स्मिथ ने वॉशिंग मशीन का पेटेंट कराया।
1905 – नॉर्वे ने स्वीडन से स्वतंत्रता प्राप्त की।
1934 – महात्मा गांधी के संरक्षण में अखिल भारतीय ग्रामीण उद्योग संघ की स्थापना।
1943 – कलकत्ता (तत्कालीन कोलकाता) में हैजे की महामारी से अक्टूबर के तीसरे सप्ताह में 2155 लोगों की मौत।
1947 – राजा हरि सिंह जम्मू–कश्मीर को भारत में विलय करने पर सहमत हुए।
1947 – इराक में ब्रिटिश सेना का कब्जा हटा।
1950 – संत मदर टेरेसा ने कलकत्ता में चैरिटी मिशन की स्थापना की।
1964 – भारत ने अपना पहला स्वदेशी टैंक विकसित किया। इस टैंक को नाम दिया गया ''विजयंत''।
1969 – चांद पर कदम रखने वाले पहले अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग और एडविन एल्ड्रिन मुंबई आये।
1999 – उच्चतम न्यायालय ने आजीवन कारावास की अवधि 14 वर्ष तय की।
2001 – जापान ने भारत और पाकिस्तान के ख़िलाफ़ लगे प्रतिबंधों को हटाने की घोषणा की।
2005 – वर्ष 2006 को भारत–चीन मैत्री वर्ष के रूप में मनाने का फैसला।
2006 – इजराइल में एक मंत्री ने भारत से बराक सौदे पर जांच की मांग की।

एनसीईआरटी ने तैयार किया नया मॉड्यूल, अब 9वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थी पढ़ेंगे आर्टिफिशियल इंटेलीजैंस

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटेशनल थिंकिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर एक शुरुआती मॉड्यूल तैयार किया है। इसका मकसद स्कूली बच्चों को नई तकनीक की बुनियादी जानकारी देना है, ताकि वे समझ सकें कि एआई कैसे काम करता है और इसका इस्तेमाल कहां किया जाता है। शिक्षा मंत्रालय के तहत तैयार इस मॉड्यूल में गतिविधियों के जरिए सीखने पर जोर दिया गया है। इसे अलग–अलग तरह के स्कूलों में इस्तेमाल करने के हिसाब से तैयार किया गया है।

यह मॉड्यूल कक्षा 9, 10, 11 और 12 के विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है। इसके जरिए बच्चों को कंप्यूटेशनल थिंकिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरुआती समझ दी जाएगी। इसके लिए किसी खास विषय की पहले से जानकारी होना जरूरी नहीं बताया गया है। यानी विद्यार्थी अपनी मौजूदा पढ़ाई के साथ इन विषयों की बुनियादी बातें समझ सकते हैं। इसका उद्देश्य केवल तकनीक के बारे में जानकारी देना नहीं है, बल्कि बच्चों को तार्किक ढंग से सोचना, नए विचार लाना और मुश्किल सवालों का हल ढूंढना भी सिखाना है।

कंप्यूटेशनल थिंकिंग का मतलब किसी समस्या को समझकर उसे छोटे–छोटे हिस्सों में बांटना और फिर सही तरीके से उसका हल निकालना है। इसमें समस्या की पहचान करना, जरूरी जानकारी जुटाना, अलग–अलग तरीकों पर विचार करना और समाधान तक पहुंचना शामिल



होता है। एनसीईआरटी के इस मॉड्यूल में विद्यार्थियों को इसी तरह सोचने और काम करने की समझ दी जाएगी। यह तरीका केवल कंप्यूटर चलाने तक सीमित नहीं है। विद्यार्थी इसका इस्तेमाल रोजमर्रा की जिंदगी, पढ़ाई और अलग–अलग परिस्थितियों में आने वाली समस्याओं को हल करने के लिए भी कर सकते हैं।

इस मॉड्यूल के जरिए विद्यार्थी समझेंगे कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्या है, यह कैसे काम करता है और इसका इस्तेमाल किन क्षेत्रों में किया जाता है। आज एआई का उपयोग जानकारी खोजने, भाषा से जुड़े काम करने, तस्वीरें बनाने और कई दूसरे कामों में किया जा रहा है। ऐसे में बच्चों के लिए इसकी खूबियों के साथ इसकी सीमाओं को समझना भी जरूरी है। मॉड्यूल में एआई के वास्तविक इस्तेमाल को समझने पर जोर दिया गया है। इससे विद्यार्थियों को यह पहचानने में मदद मिल सकती है कि तकनीक कहां उपयोगी है और कहां सावधानी बरतनी चाहिए।

सरकार निर्यात संवर्धन मिशन के अंतर्गत सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए महंगे प्रमाणपत्रों का पूरा खर्च उठाने को तैयार

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा है कि सरकार निर्यात संवर्धन मिशन के अंतर्गत सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए महंगे प्रमाणपत्रों का पूरा खर्च उठाने को तैयार है। इसका उद्देश्य भारतीय कारोबारियों को वैश्विक बाजारों तक पहुंच प्रदान करने में मदद करना है।

जर्मनी की दो दिन की यात्रा के दौरान बर्लिन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री गोयल ने मौजूदा और संभावित निर्यातकों से प्रमाणपत्रों और नियामक नियमों के पालन में सहायता के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय से संपर्क करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार सूक्ष्म और लघु उद्यमों को यूरोपीय संघ की आवश्यकताओं को पूरा करने में भी मदद करेगी। इनमें कार्बन सीमा समायोजन तंत्र और यूरोपीय संघ का वनों की कटाई रोकने संबंधी नियम शामिल हैं। अन्य कारोबारियों को उनकी जरूरत के अनुसार सहायता दी जाएगी।

निर्यात संवर्धन मिशन को पिछले वर्ष नवंबर में मंजूरी दी गई थी। इसके अंतर्गत छह वित्तीय वर्ष में 25 हजार 60 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मिशन को दो उप–योजनाओं के जरिए लागू किया जा रहा है। इनमें 10 हजार 401 करोड़ रुपये के आवंटन वाली निर्यात प्रोत्साहन योजना और 14 हजार 659 करोड़ रुपये के आवंटन वाली निर्यात दिशा योजना शामिल हैं।

श्री गोयल ने कहा कि जर्मनी की कंपनियां भारत को एक बड़े उपभोक्ता बाजार के साथ–साथ विनिर्माण, अनुसंधान और विकास तथा नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में भी देख



रही हैं। यात्रा के दौरान उन्होंने सीमेंस हेल्थकेयर, बर्टेल्समन इन्वेस्टमेंट, फॉक्सवैगन और स्कोडा के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इन बैठकों में दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा हुई।

श्री गोयल ने कहा कि जर्मनी की सटीक तकनीक और अनुसंधान संबंधी विशेषज्ञता को भारत के कुशल कार्यबल और विनिर्माण क्षमताओं के साथ जोड़कर वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति मजबूत की जा सकती है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंधों में वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार के अलावा प्रतिभाओं के आदान–प्रदान, नवाचार, संयुक्त रूप से डिजाइन तैयार करने, विकास और विनिर्माण के भी अवसर हैं। फिलहाल, लगभग दो हजार जर्मन कंपनियां भारत में काम कर रही हैं, जो दोनों देशों के बीच मजबूत औद्योगिक और व्यावसायिक संबंधों को दर्शाता है।

विश्व खाद्य पुरस्कार फाउंडेशन संगोष्ठी में भारतीय छात्र ने जीता ग्लोबल यूथ इंस्टीट्यूट पुरस्कार

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (हि.स.)।

नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज (एनएएएस), नई दिल्ली ने अमेरिका के आयोवा स्थित डेस मोइनेस में 20 से 22 अक्टूबर तक आयोजित 'नॉर्मन ई. बोरलॉग इंटरनेशनल डायलॉग–2026' में भारत के कृषि अनुसंधान और वैज्ञानिक उत्कृष्टता को प्रदर्शित किया। वर्ल्ड फूड प्राइज फाउंडेशन के इस प्रतिष्ठित आयोजन की थीम 'बिफोर हंगर विन्स' थी। कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के प्रकाशनों की प्रदर्शनी, युवा भारतीय छात्रों की भागीदारी, कृषि उच्च शिक्षा पर गोलमेज चर्चा और एनएएएस तथा काउंसिल फॉर एग्रीकल्चरल साइंस एंड टेक्नोलॉजी (सीएएसटी), अमेरिका के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर प्रमुख आकर्षण रहे।

भारत के विभिन्न हिस्सों से एनएएएस–डब्ल्यूएफपीएफ चयन प्रक्रिया के जरिए चुने गए सात हाई स्कूल छात्रों ने ग्लोबल यूथ इंस्टीट्यूट (जीवाईआई) कार्यक्रम में हिस्सा लिया। छात्रों ने खाद्य सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए और अंतरराष्ट्रीय स्तर के अन्य युवा प्रतिभागियों के साथ विचार साझा किए। एनएएएस के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि रही कि अमीना नसरीन ए.एस. ने 500 अमेरिकी डॉलर के नकद पुरस्कार वाला जीवाईआई अवार्ड जीता। इससे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय युवा प्रतिभाओं की क्षमता को पहचान मिली।

एनएएएस के प्रदर्शनी बूथ पर अकादमी और आईसीएआर के प्रमुख प्रकाशनों को प्रदर्शित किया गया। इस पहल के जरिए शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, नीति–निर्माताओं और अन्य हितधारकों के सामने भारतीय कृषि अनुसंधान, वैज्ञानिक ज्ञान और नीतिगत दृष्टिकोणों को प्रस्तुत करने का अवसर मिला। प्रदर्शनी ने वैश्विक कृषि समुदाय के साथ भारत के वैज्ञानिक योगदान को साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच उपलब्ध कराया। बोरलॉग इंटरनेशनल डायलॉग के साथ आयोजित 'कृषि उच्च शिक्षा' पर विशेष गोलमेज चर्चा में भारतीय कृषि समुदाय के विशेषज्ञों ने वैश्विक साझेदारियों के जरिए कृषि शिक्षा में बदलाव की संभावनाओं पर चर्चा की।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद स्थिर बनी हुई है भारतीय अर्थव्यवस्था– आरबीआई

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर।

भारतीय रिज़र्व बैंक–आरबीआई ने कहा है कि मजबूत आर्थिक आधार और लक्षित नीतिगत हस्तक्षेपों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक चुनौतियों के बावजूद स्थिर बनी हुई है। इन चुनौतियों में पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ती महंगाई और लगातार जारी व्यापारिक तनाव शामिल हैं।

रिजर्व बैंक के अक्टूबर बुलेटिन में प्रकाशित अर्थव्यवस्था की स्थिति नामक लेख के अनुसार, वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय कई झटकों के साथ कठिन दौर से गुजर रही है। लेख में कहा गया है कि पश्चिम एशिया संकट और बार–बार होने वाले व्यापारिक तनावों के कारण महंगाई का दबाव बढ़ रहा है। इसके साथ ही, कई दशकों के उच्चतम स्तर पर पहुंचे सॉवरेन बॉन्ड यील्ड, बढ़ता सार्वजनिक कर्ज और राजकोषीय स्थिरता के कारण भी चिंताएं बढ़ गई हैं। हालांकि, लेख में यह भी कहा गया है कि इन कठिन परिस्थितियों के बीच, भारतीय अर्थव्यवस्था अपने मजबूत आर्थिक आधार और नीतिगत हस्तक्षेपों के सहारे सुरक्षित बनी हुई है, जिससे नकारात्मक जोखिमों का असर कम हुआ है। ऊर्जा का शुद्ध आयातक होने के बावजूद, भारत की जीडीपी वृद्धि को घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र से लगातार समर्थन मिला है।

लेख के अनुसार, इस वर्ष अगस्त में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रवाह मजबूत बना रहा, जिसमें भारी आवक और बाहर जाने वाले एफडीआई में कमी का योगदान रहा। सितंबर और 19 अक्टूबर तक भारतीय इक्विटी बाजार में मुख्य रूप से मंदी का रुख रहा।

ब्रह्मोस हुआ ग्लोबल... 2028 तक अगली पीढ़ी की मिसाइल, 1500 किमी रेंज वाला वेरिएंट बनाने की तैयारी

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर।

ब्रह्मोस एयरोस्पेस 2027–28 तक अपनी अगली पीढ़ी की मिसाइल ब्रह्मोस–एनजी का प्रोटोटाइप तैयार करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। कंपनी अपनी सप्लाई चेन मजबूत करने और उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर फोकस कर रही है ताकि बढ़ती घरेलू और विदेशी मांग को पूरा किया जा सके।

ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. जयतीर्थ जोशी ने एएनआई को दिए इंटरव्यू में बताया कि ब्रह्मोस–एनजी मौजूदा मिसाइल का छोटा, हल्का और ज्यादा स्टेल्थ वर्जन होगा। इसमें स्वदेशी सामग्री ज्यादा होगी, नई तकनीक और एडवांस्ड मटेरियल का इस्तेमाल होगा। यह मिसाइल भारत के डीआरडीओ और रूस की एनपीओ माशिनोस्त्रोयेनिया के संयुक्त उद्यम के जरिए विकसित की जा रही है। शुरुआत में एयर–लॉन्च्ड कॉन्फिगरेशन में प्रोटोटाइप तैयार किया जाएगा, जिससे भारतीय वायुसेना की स्ट्राइक क्षमता और सकती है।

विदेशी सेनाएं एयर–लॉन्च्ड ब्रह्मोस में दिलचस्पी दिखा रही हैं। कुछ देश सुखोई–30 फाइटर जेट ऑपरेट करते हैं, जिस पर भारतीय वायुसेना भी ब्रह्मोस लगाती है। ब्रह्मोस–एनजी के प्रति भी संभावित ग्राहकों में रुचि बढ़ रही है।

मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने पहली बार ब्रह्मोस मिसाइल का युद्ध में इस्तेमाल किया था। पाकिस्तानी एयरबेस नूर खान समेत महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमला किया गया। मिसाइल ने सटीक निशाना साधा और किसी भी ब्रह्मोस को इंटरसेप्ट नहीं किया जा सका। इस प्रदर्शन ने विदेशी सेनाओं का ध्यान और खींचा



है।

कंपनी मिसाइल की रेंज बढ़ाकर 1500 किलोमीटर करने पर भी विचार कर रही है। यह वेरिएंट अभी अवधारणा (कॉन्सेप्टुअल) चरण में है। कंपनी अपने रूसी पार्टनर के साथ आगे के अपग्रेड पर चर्चा कर रही है। जमीन, समुद्र और हवा से किए गए परीक्षणों में मूल 290 किमी रेंज से ज्यादा क्षमता साबित हो चुकी है, लेकिन 1500 किमी वाले वर्जन के विकास या तैनाती का कोई समयसीमा अभी घोषित नहीं की गई है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस हैदराबाद, नागपुर, पिलानी और लखनऊ की इकाइयों में मौजूदा ऑर्डर पूरे कर रही है। सप्लाई चेन मजबूत करने के लिए एक–दो सप्लायर की जगह 45 तक सोर्स बढ़ाने की योजना है। निर्यात में भी सफलता मिल रही है।

फिलीपींस के साथ डील के बाद इस साल दो और दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों (इंडोनेशिया और वियतनाम) के साथ समझौते हुए हैं। इन ऑर्डरों से निर्यात 600 मिलियन डॉलर से ज्यादा होने की उम्मीद है। भारत के रक्षा निर्यात में भी तेज वृद्धि देखी जा रही है।

अब लंबे समय तक पानी में छिपी रहेंगी भारतीय पनडुब्बियां: स्वदेशी एआईपी सिस्टम ने पार किया अहम पड़ाव

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर।

नौसेना की डीजल–इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां अब लंबे समय तक पानी के भीतर रह सकेंगी। इस दिशा में विकसित किए जा रहे स्वदेशी एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) सिस्टम ने अहम पड़ाव हासिल किया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित इस तकनीक के एनर्जी मॉड्यूल के दूसरे चरण की शुरुआत गुजरात के हजीरा स्थित एलएंडटी परिसर में हुई।

रक्षा सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस दौरान नौसेना के वाइस एडमिरल बी शिवकुमार और डीआरडीओ के महानिदेशक डॉ आर बालामुरलीकृष्णन भी मौजूद रहे। डीजल–इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों को पानी के भीतर अपनी बैटरियां चार्ज करने के लिए सामान्यतः सतह पर आना पड़ता है। इस दौरान उनके दुश्मन की नजर में आने का खतरा बढ़ सकता है। एआईपी सिस्टम ऐसी पनडुब्बियों को लंबे समय तक पानी के भीतर काम करने में मदद करता है। इससे पनडुब्बियों की पानी के भीतर रहने की क्षमता बढ़ती है। इस स्वदेशी सिस्टम का एनर्जी



मॉड्यूल डीआरडीओ की नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल) ने विकसित किया है।

डीआरडीओ के मुताबिक, दूसरे चरण की शुरुआत के बाद अगला कदम एआईपी एनर्जी मॉड्यूल को चालू करके उससे बिजली पैदा करना और नौसेना के तय मानकों के मुताबिक उसका परीक्षण करना है। इसके बाद मॉड्यूल को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड को सौंपा जाएगा। इसे अगले साल के शुरू में कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी में लगाने की योजना है।

पानी में तैरता 'जहाज महल' और रानी रूपमती की कहानी, इतिहास और प्रकृति का बेहतरीन मेल है मांडू

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर।

अगर आप इतिहास, वास्तुकला और प्राकृतिक सुंदरता को एक साथ देखना चाहते हैं, तो मध्य प्रदेश का मांडू सबसे बेस्ट जगह है। सर्दियों की शुरुआत में यहां का मौसम काफी सुहाना होता है। ठंडी हवाओं और हरियाली के बीच नवंबर के महीने में यहां घूमने का मजा ही कुछ और होता है। अगर आप भी नवंबर में मांडू घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको वहां की कुछ खास जगहों को जरूर देखना चाहिए।

बाज बहादुर और रूपमती का महल– ये महल मांडू की सबसे मशहूर प्रेम कहानी से जुड़ा है। रानी रूपमती का मंडप ऊंची पहाड़ी पर स्थित है, जहां से नर्मदा नदी और नीचे फैली घाटी का नजारा दिखाई देता है। सनसेट के समय यहां से बहुत ही खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है।

जहाज महल– दो मानव निर्मित तालाबों के बीच बनी ये दो मंजिला इमारत देखने में ऐसी लगती है जैसे कोई जहाज पानी में तैर रहा है। मांडू की कमाल की वास्तुकला का ये बेहतरीन नमूना है।

हिंडोला महल– इसकी झुकी हुई दीवारों के कारण इसे हिंडोला महल कहा जाता है। इसकी कमाल की वास्तुकला और सुंदर नक्काशी देखकर आप हैरान रह जाएंगे।

अशर्फी महल और जामा मस्जिद– यहां बने जामा मस्जिद की प्रेरणा दमिश्क की मस्जिद से ली गई है। इसके ठीक सामने अशर्फी महल है।

होशंग शाह का मकबरा– माना जाता है कि ये संगमरमर से बनी भारत की पहली इमारत है। कहा जाता है कि मुगल बादशाह शाहजहां ने ताजमहल बनवाने से पहले कारीगरों को यहां प्रेरणा लेने के लिए भेजा था।

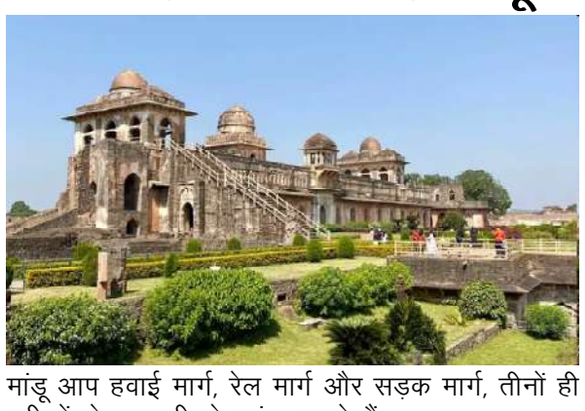

मांडू आप हवाई मार्ग, रेल मार्ग और सड़क मार्ग, तीनों ही तरीकों से आसानी से पहुंच सकते हैं।

हवाई मार्ग– सबसे नजदीकी हवाई अड्डा देवी अहिल्याबाई होल्कर है, जो मांडू से 100 किलोमीटर दूर है। एयरपोर्ट से आप कैब या बस से आसानी से मांडू पहुंच सकते हैं। इसमें आपको 2.5–3 घंटे का समय लग सकता है।

रेल मार्ग– मांडू का अपना कोई रेलवे स्टेशन नहीं है, लेकिन रतलाम और इंदौर यहां के सबसे करीबी स्टेशन हैं। यहां से आप कैब लेकर आसान से मांडू पहुंच सकते हैं।

सड़क मार्ग– इंदौर, उज्जैन, धार और भोपाल जैसे शहरों से मांडू सड़क से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। अगर आप रोड ट्रिप पसंद कररते हैं, तो उज्जैन या इंदौर से अपनी गाड़ी या बस से मांडू पहुंच सकते हैं।

मांडू में ठहरने के लिए आपको अपने बजट के हिसाब से बेहतरीन ऑप्शन मिल सकते हैं। यहां कई होटल, गेस्ट हाउस और प्राइवेट रिजॉर्ट्स मिल सकते हैं। अपने बजट के हिसाब से आप इन्हें चुन सकते हैं।

छऊ ही नहीं, झारखंड का 'करमा डांस' भी है बेहद खास, हजार सालों से भी पुराना है इस आदिवासी लोक नृत्य का इतिहास

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर।

झारखंड में सिर्फ छऊ नृत्य नहीं होता। करमा भी यहां की लोक संस्कृति का अहम हिस्सा है। करमा एक लोक नृत्य है, जो झारखंड के आदिवासी समुदाय से नाता रखता है। झारखंड के साथ–साथ ये छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के कुछ इलाकों में भी काफी मशहूर है। ये नृत्य सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं किया जाता। करमा नृत्य प्रकृति और आदिवासी जीवन से काफी गहराई से जुड़ा है। लेकिन क्या आप जानते हैं करमा नृत्य की शुरुआत कैसे हुई थी? आइए जानें झारखंड के इस लोक नृत्य का इतिहास और ये क्यों किया जाता है।

माना जाता है कि करमा नृत्य का इतिहास हजार सालों से भी ज्यादा पुराना है। इसकी जड़े आदिवासी पौराणिक कथाओं से जुड़ी हुई हैं। छोटा नागपुर पठार के आदिवासी समुदायों में ये परंपरा सदियों से चली आ रही है और आज भी बहुत धूमधाम के साथ इस परंपरा को निभाया जाता है।

लोक कथाओं के मुताबिक, करम या करमा के पेड़ को जीवन, शक्ति और भाईचारे का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इस पवित्र पेड़ की पूजा करने और इसके चारों ओर नृत्य करने से पूरे गांव में खुशहाली आती है, अच्छी फसल होती है और परिवार में समृद्धि आती है। इसलिए करमा त्योहार भाद्रपद के महीने में मनाया जाता है, जिसमें ये खास नृत्य होता है।

करमा पर्व की शुरुआत अनुष्ठानों से होती है, जिसमें गांव



की कुवांरी लड़कियां इस अवसर पर उपवास रखती हैं। इसके बाद जंगल से करम वृक्ष की डाली को गांव के बीच में जमीन में रोपा जाता है। इस पर्व के दौरान लोग पारंपरिक गीत गाते हुए इस डाली की ओर घूमते हुए नृत्य करते हैं।

करमा डांस में नर्तक और नर्तकियां एक–दूसरे की कमर में हाथ डालकर घेरा बनाके डांस करते हैं और वाद्य यंत्रों की धुन पर आगे–पीछे बढ़ते हुए नृत्य करते हैं। महिलाएं आमतौर पर लाल बॉर्डर वाली सफेद साड़ियां, चांदी के आदिवासी स्टाइल गहने और पैरों में घुंघरू पहनती हैं। वहीं, पुरुष धोती, रंग–बिहरंगा साफा और मालाएं पहनते हैं।

इस नृत्य को मुख्य रूप से मांदर, ढोल, नगाड़ा, टिमकी और झाल की धुन पर बनाया जाता है। मांदर की गूंज और आदिवासियों के सुरीले गीत काफी मनमोहक होते हैं।